



पश्चिमी हिमालय के 25 संगठनों ने सामाजिक और पारिस्थितिकी मुद्दों के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया

(पश्चिमी हिमालय विकल्प संगम (WHVS), 27-30 अक्टूबर, 2024)

पश्चिमी हिमालय विकल्प संगम (WHVS), एक नेटवर्क जो लद्दाख, जम्मू, कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के लोगों और संगठनों को एक साथ लाता है, ने मूल सस्टेनिबिलिटी रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर और स्कूल ऑफ रूरल डेवलपमेंट एंड एनवायरनमेंट, कश्मीर के सहयोग से तीन दिवसीय सम्मेलन की मेजबानी की। इसका मुख्य विषय था: एक दूसरे से सीखना, सहयोग और स्थिरता।

27 से 30 अक्टूबर, 2024 तक, इस कार्यक्रम में पश्चिमी हिमालय और भारत के अन्य हिस्सों से 35 प्रतिभागी एक साथ आए, जो पारिस्थितिकी उत्थान, स्थायी आजीविका, जलवायु कार्रवाई, उद्यमिता, सामुदायिक कल्याण और शिक्षा को सशक्त बनाने पर केंद्रित लगभग 25 संगठनों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह कश्मीर में आयोजित पहली ऐसी सभा थी।

पृष्ठभूमि

वर्ष 2016 से, WHVS विकल्प संगम पहल (www.vikalpsangam.org) का हिस्सा रहा है, जो आर्थिक और सामाजिक व्यवधान की मौजूदा प्रणालियों की आलोचना करने से आगे बढ़कर व्यवहार्य विकल्पों की खोज करता है और भारतीय लोगों के सामने आने वाली विभिन्न समस्याओं का समाधान ढूंढता है। संगम या "विकल्पों पर संगम" के माध्यम से, WHVS हिमालय में स्थानीय और क्षेत्रीय चुनौतियों को संबोधित करने वाले सतत विकास मॉडल पर चर्चा को प्रोत्साहित करता है।

उद्देश्य और गतिविधियाँ

इस सभा का उद्देश्य ज्ञान साझा करना, क्षेत्रीय नेटवर्क के भीतर सहयोग को मज़बूत करना, पारिस्थितिक जागरूकता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना था। बातचीत और चर्चा में सतत विकास मॉडल, सामुदायिक संरक्षित क्षेत्र और पश्चिमी हिमालय में मानव-वन्यजीव संघर्ष, लिंग समावेशन, भूमि कानून और पर्यटन सहित आम चुनौतियों सहित 'विकल्पों' के उदाहरण साझा करना शामिल था।

इसके बाद प्रतिभागी राष्ट्रीय विकल्प संगम प्रक्रिया के माध्यम से विकसित एक व्यापक रूपरेखा के आधार पर 'फ़्लॉवर ऑफ़ ट्रांसफॉर्मेशन' पर काम करने के लिए भी एक साथ आए। इससे पारिस्थितिकी अखंडता और लचीलापन, सामाजिक कल्याण और न्याय, प्रत्यक्ष और प्रत्यायोजित लोकतंत्र, आर्थिक लोकतंत्र और सांस्कृतिक विविधता और ज्ञान लोकतंत्र सहित प्रमुख तत्वों या क्षेत्रों का उपयोग करते हुए कट्टरपंथी विकल्पों पर पहल को समझने और उसका आकलन करने में मदद मिलती है।

प्रतिभागियों ने प्रसिद्ध कश्मीरी कवि, लेखक और इतिहासकार ज़रीफ़ अहमद ज़रीफ़ से भी बातचीत की, और प्रसिद्ध लेखक के जीवन और शिक्षाओं, उनकी कविताओं और पारिस्थितिकी, प्रकृति और समुदायों पर उनके दृष्टिकोण के बारे में सुना।

समूह ने वुलर फिशरफोक यूनियन के नसीर अहमद डार के नेतृत्व में 'ज़ुरिमांज़' में वुलर झील का दौरा किया। समूह ने स्थानीय यूनियनों से उनकी यात्रा, चुनौतियों, सफलताओं और ज़रूरतों और इच्छाओं के बारे में सुनने के लिए मुलाकात की।

इस तरह की सभाएँ विविध संगठनों के लिए एक मंच के रूप में काम करती हैं, जहाँ वे एक साथ आते हैं, अपने काम को आगे बढ़ाने वाले मूल्यों पर विचार करते हैं और हिमालय में सामूहिक परिवर्तनकारी बदलाव के लिए मार्ग तैयार करते हैं। विकल्प संगम प्रक्रिया का पहले से ही हिस्सा रहे संगठनों के अलावा, इस सभा ने कश्मीर के अन्य संगठनों को भी इस प्रक्रिया से परिचित कराया।

इस सभा ने सहयोगात्मक गतिविधियों की शुरुआत भी की, जैसे मांगों की सूची सहित लोगों का चार्टर बनाना, शारीरिक रूप से और आभासी वेबिनार पर मिलना, सांस्कृतिक आदान-प्रदान बढ़ाना, कहानियों का दस्तावेजीकरण करना और हिमालयी क्षेत्रों के बीच की खाई को पाटना।

WHVS के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया देखें

[The Himalaya Collective](http://TheHimalayaCollective.org)

[Vikalp Sangam](#)
[MOOL Sustainability Research and Training Center](#)
[SRDE](#)

संपर्क

moolsustainability@gmail.com

9622565003